आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, जामनगर

AYURVEDACHARYA(B.A.M.S.)- EXAMINATION

FOURTH PROFESSIONAL EXAMINATION - October – 2025 **(OLD SYLLABUS)**

Kayachikitsa - I

Date : 31/10/2025 Time : 10:00 A.M. - 01:00 P.M.

Friday Marks : 100

Instructions : All the questions are compulsory. सभी प्रश्नों के उत्तर देना आवश्यक है

SECTION – A

1 धातु प्रदोषज विकार का विस्तार से वर्णन करें। 10

Describe the Dhatu Pradoshaja Vikara in detail.

2. किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिये.Answer any one question. 10

(A) औषध सेवन काल का उदाहरण के साथ वर्णन कीजिए।
Describe the Aushadha Sevana kala with examples.

(B) आवरण का वर्णन करके चिकित्सा का वर्णन किजिए।
Describe the Avarana and its management.

3. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। Answer any four questions. 20

(A) इंद्रिय प्रदोषज विकार के प्रबंधन सहित उसके बारे में लिखिए।
Write about the Indriyapradoshaja Vikara with its management.

(B) रोगो के चिकित्सा में अग्नि के महत्व का वर्णन करें.
Write the importance of Agni in treating disease.

(C) मानस रोग के सामान्य चिकित्सा सिद्धांत को लिखिए।
Write the Samanya Chikitsa Siddhanta of Manas Roga.

(D) चिकित्सा की परिभाषा देकर चिकित्सा के प्रकारों का वर्णन लिखिए।
Define Chikitsa with its types .

(E) आईट्रोजेनिक विकारों का वर्णन करें।
Describe the Iatrogenic disorders.

4. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (दो से तीन वाक्य)
Answer any five questions. (two to three sentences) 10

(A) जिह्वा परीक्षा के बारे में लिखिए।
Write about Jihwa Pariksha.

(B) 'काय ' एवं 'चिकित्सा' शब्दो को परिभाषित करें।
Define the terms 'Kaya' and 'Chikitsa'.

(C) मांसक्षय के लक्षणों को लिखिए।
Write the symptoms of Mamsakshaya.

(D) मुत्रवृद्धि के लक्षणों को लिखिए।
Write the symptoms of Mutravriddhi.

(E) ओजोक्षय के लक्षण लिखिए।
Write the symptoms of Ojokshaya.

(F) मानसरोग की चिकित्सा में उपयुक्त कोई भी दो एकल द्रव्यो के नाम लिखिए।
Write two single herbs used for management of manas roga.

SECTION – B

5. चिकन गुनिया रोग का वर्णन करे तथा आयुर्वेद एवं आधुनिक विज्ञान अनुसार चिकित्सा का वर्णन करें। 10
Describe of Chikun Guniya, its treatment according to modern and Ayurved aspects.

6. किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिये.Answer any one question. 10

(A) रक्तपित्त रोग के चिकित्सा सूत्र और प्रबंधन का वर्णन करें।
Describe the Chikitsa sutra and management of Raktapitta Roga

(B) क्षयरोग (टीबी – ट्यूबरक्यूलोसिस) रोग के राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम को विस्तार से लिखिए।
Write the National health programme of Tuberculosis in detail.

7. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। Answer any four questions. 20

(A) प्राकृतिक चिकित्सा के स्वास्थ्य के सामान्य सिद्धांत एवं रोग प्रबंधन सिद्धतों का वर्णन करें।
Describe the general Principles of health and management of diseases by Naturopathy.

(B) एडिसन्स रोग का वर्णन करके उसके संभवित आयुर्वेद प्रबंधन के बारे में लिखिए।
Write about the addison's disease and its possible management with Ayuvreda.

(C) मदात्यय रोग का उसके प्रबंधन सहित वर्णन करें।
Describe the Madatyaya Roga with its management.

(D) लिवर सिरोसिस का वर्णन करे तथा संभवित आयुर्वेद चिकित्सा का वर्णन करे।
Describe the Cirrhosis of liver with its possible Ayurved management.

(E) निमोनिया रोग एवं उसकी चिकित्सा का वर्णन करें।
Describe Pneumonia and its management.

8. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (दो से तीन वाक्य)
Answer any five questions. (two to three sentences) 10

(A) कोठ रोग को परिभाषित किजिए।
Define Kotha Roga.

(B) अपेंडिसाइटिस का आपातकालीन प्रबंधन लिखिए।
Write the Emergency Management of Appendicitis .

(C) कदर एवं इसके प्रबंधन के बारे में लिखिए।
Write about Kadar with its management.

(D) मम्प्स रोग के लक्षण लिखिए।
Write the symptoms of Mumps.

(E) लघु मसूरिका (चिकन पोक्स) रोग के लक्षण लिखिए
Write the symptoms of Laghu Masurika (Chicken pox)

(F) 'स्टेटस एसथमेटिक्स' की आपातकालिन चिकित्सा के बारे में लिखिए।
Write the emergency management of Status Asthmaticus.

****

आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, जामनगर

AYURVEDACHARYA(B.A.M.S.)- EXAMINATION

FOURTH PROFESSIONAL EXAMINATION - October – 2025 **(OLD SYLLABUS)**

Kayachikitsa - II

Date : 03/11/2025 | Time : 10:00 A.M. - 01:00 P.M.

Monday | Marks : 100

Instructions : All the questions are compulsory. सभी प्रश्नों के उत्तर देना आवश्यक है

SECTION – A

1 श्वास रोग के चिकित्सा सूत्र और प्रबंधन का वर्णन करें। 10

Describe the Chikitsa Sutra and management of Swasa Roga.

2. किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिये. Answer any one question. 10

(A) उरुस्तंभ रोग के चिकित्सा सूत्र और प्रबंधन का विस्तार से वर्णन करें।

Describe the Chikitsa Sutra and management of Urustambha roga in detail.

(B) आयुर्वेद एवं आधुनिक विज्ञान के अनुसार गृध्रसी रोग के चिकित्सा सूत्र एवं प्रबंधन का वर्णन करें।

Describe the Chikitsa Sutra and management of Gridhrasi Roga according to Ayurveda and modern science.

3. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। Answer any four questions. 20

(A) अम्लपित रोग की चिकित्सा लिखिए।
Write the chikitsa of Amlapitta.

(B) कम्पवात रोग का चिकित्सा सहित वर्णन किजिए।
Describe the disease Kampavata with its treatment.

(C) मायस्थेनिया ग्रेविस रोग के बारे में वर्णन किजिए।
Describe the disease Myasthenia Gravis.

(D) आनाह और आध्मान रोग के बीच में भेद लिखिए।
Write the difference between Anaha and Adhmana.

(E) अन्नद्रव शूल रोग का उपचार सहित वर्णन करें।
Describe the disease Annadrava shoola with its treatment.

4. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (दो से तीन वाक्य) 10
Answer any five questions. (two to three sentences)

(A) अग्निमांध को परिभाषित करें।
Define Agnimandya.

(B) भस्मक रोग को परिभाषित करके उसके उपचार को संक्षेप में लिखिए।
Define the disease Bhasmaka and write its treatment in brief.

(C) खंज शब्द को परिभाषित करें।
Define the term Khanja.

(D) अर्दित के लक्षण लिखिए।
Write the symptoms of Ardita.

(E) उर:क्षत के पूर्वरूप लिखिए।
Write the poorvaroopa of Urahakshata.

(F) कास के पूर्वरूप लिखिए।
Write the Poorvaroopa of Kasa.

P.T.O.

SECTION – B

5. आयुर्वेद के अनुसार प्रमेह रोग का वर्णन करें। 10

Describe the disease Prameha according to Ayurveda .

6. किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिये. Answer any one question. 10

(A) वाजीकरण द्रव्य के भेद एवं महत्व का वर्णन कीजिए।
Write the classification and importance of Vajikarana dravya.

(B) आयुर्वेद उपचार के साथ मूत्रघात का विस्तार से वर्णन करें।
Describe the Mutraghata in detail with Ayurveda treatment.

7. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। Answer any four questions. 20

(A) आचार रसायन का वर्णन कीजिए।
Describe the Achara Rasayana

(B) कुटिप्रवेशिक रसायन का वर्णन करें
Describe the Kutipraveshika rasayana

(C) प्रवाहिका रोग का आयुर्वेद उपचार सहित वर्णन करें
Describe the disease Pravahika with its Ayurveda treatment.

(D) उन्माद रोग का आयुर्वेद उपचार सहित वर्णन करे।
Describe the disease Unmada with its Ayurveda treatment.

(E) क्लैब्य रोग का आयुर्वेद उपचार सहित वर्णन कीजिए।
Describe the Klaibya with its Ayurvdeda treatment.

8. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (दो से तीन वाक्य) 10
Answer any five questions. (two to three sentences)

(A) चरक संहिता में दिए गए रसायन के पाद लिखिए
Write the Pada of Rasayana given in Charak samhita

(B) चरक संहिता में दिए गए वाजीकरण के पाद को लिखिए
Write the pada of Vajikarana given in Charak Samhita

(C) IBS का पूरा शब्द (फूल फॉर्म) लिखिए।
Write the full form of IBS.

(D) विषाद शब्द को परिभाषित करें।
Define the term. Vishada

(E) चित्तोद्वेग शब्द को परिभाषित करें।
Define the term Chiottodgvega.

(F) दैवव्यपाश्रय चिकित्सा शब्द को परिभाषित करें।
Define the term Daivavyapashraya Chikitsa.

****

आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, जामनगर

AYURVEDACHARYA(B.A.M.S.)- EXAMINATION

FOURTH PROFESSIONAL EXAMINATION - October – 2025 **(OLD SYLLABUS)**

Panchakarma

Date : 06/11/2025 Time : 10:00 A.M. - 01:00 P.M.

Thursday Marks : 100

Instructions : All the questions are compulsory. सभी प्रश्नों के उत्तर देना आवश्यक है

SECTION - A

1 नस्य कर्म के प्रकार, नस्य का महत्त्व, नस्य कर्म की विधी लिखकर नस्य की कार्मुकता पर प्रकाश डाले। 10

Describe the types and sub types of Nasya Karma, its importance, Procedure and mode of action of Nasya Karma.

10

2. किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिये। Answer any one question.

(A) रक्तपित्त रोग मे विरेचन का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

Explain importance of Virechana in Raktapitta.

(B) षष्टिक शाली पिंड स्वेद की निर्माण विधी, महत्त्व एवं कार्मुकता वर्णन कीजिए।

Explain about the preparation of Shastika shali Pinde Sweda, it's importance and Mode of action in detail.

20

3. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। Answer any four questions.

(A) प्रतीमर्श नस्य के काल का वर्णन कीजिए।

Write the various times of administration of Pratimarsha Nasya.

(B) शिरोधारा विधी का वर्णन कीजिए।

Explain the procedure of Shirodhara.

(C) श्लोक को विस्तार से समझाइये। Explain the stanza in detail.

'महान् स्थिर: सर्वपचस्तथैव शुध्दस्य पेयादिभिरन्तरग्नि:। '

(D) मर्मगत व्याधी मे बस्ती का महत्त्व वर्णन कीजिए।

Explain the importance of Basti in Marmagat Vyadhi.

(E) वमन सम्यक शुद्धि के लक्षण वर्णन कीजिए।

Describe the Samyaka Shuddhi Laxana of Vaman Karma.

4. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (दो से तीन वाक्य) 10

Answer any five questions. (two to three sentences)

(A) स्नेह गंडूष का महत्त्व लिखिए।

Write importance of Sneha Gandush.

(B) धूमपान सम्यक योग के लक्षण लिखिए।

Write Samyak yog Laxana of Dhoomapan.

(C) अनुवासन बस्ती की व्याख्या लिखिए।

Write definition of Anuvasan Basti.

(D) शिरोविरेचन गण द्रव्य वर्णन कीजिए।

Write Shirovirechan Gana Dravya .

(E) स्वेदन के सम्यक योग लक्षण वर्णन कीजिए।

Write Samyak Yog symptoms of Swedana.

(F) वमन अयोग के लक्षण लिखिए।

Write Ayoga symptoms of Vaman.

P.T.O.

SECTION – B

5. सिरावेध पूर्व रुग्ण परीक्षा, योग्य, अयोग्य , सिरावेध के सम्यक लक्षण, अतियोग लक्षण और उसकी चिकित्सा का विस्तृत वर्णन कीजिए। 10
Describe the detailed examination of patient prior to Siravedha. Write the indications and contra-indications, Samyak Lakshan and Atiyog Lakshan of Siravedha and their management in detail.

6. किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिये. Answer any one question. 10

(A) खालित्य रोग मे नस्य का महत्त्व वर्णन कीजिए।
Explain importance of Nasya Karma in Khalitya.

(B) आमाशय गत विष मे वमन का महत्त्व लिखिए।
Explain importance of Vaman Karma in Amashaya gat vish.

7. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। Answer any four questions. 20

(A) अक्षितर्पण विधी का वर्णन कीजिए।
Describe the procedure of Akshi Tarpan Karma.

(B) आभ्यंतर स्नेह पश्चात उष्णोदक पान का महत्त्व वर्णन कीजिए।
Describe the importance of hot water intake after Abhyantar Sneha Pana.

(C) श्लोक को विस्तार से समझाइये। Explain the stanza in detail.
सम्यक साध्या न सिध्यन्ति रक्तजांस्तान् विभावयेत्।

(D) शोधन के पूर्व पाचन चिकीत्सा के महत्त्व का वर्णन कीजिए।
Explain importance of Pachan Chikitsa before Shodhana.

(E) ऱ्हस्वमात्रा स्नेहपान पर टिपण्णी कीजिए।
Write a short note on Hrasva Matra Snehapana.

8. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (दो से तीन वाक्य) 10
Answer any five questions. (two to three sentences)

(A) विविध स्नेह के अनुपान लिखिए।
Write different type of Sneha and their Anupana.

(B) रक्तमोक्षण पश्चात आहार वर्णन कीजिए।
Write diet after Rakta Mokshan Procedure.

(C) नस्य के अतीयोग लक्षण लिखिए।
Write Nasya Atiyog Lakshan.

(D) वमन कर्म मे धूमपान का महत्त्व लिखिए।
Write importance of Dhoompana in Vaman Karma.

(E) आरग्वध द्रव्य के गुणकर्म लिखिए।
Write properties of Aragvadha drug .

(F) शोधन द्रव्य की व्याख्या लिखिए।
Write definition of Shodhana Dravya.

****

आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, जामनगर

AYURVEDACHARYA(B.A.M.S.)- EXAMINATION

FOURTH PROFESSIONAL EXAMINATION - October – 2025 **(OLD SYLLABUS)**

Shalya Tantra - I

Date : 08/11/2025 Time : 10:00 A.M. - 01:00 P.M.

Saturday Marks : 100

Instructions : सभी प्रश्नों के उत्तर देना आवश्यक है All the questions are compulsory.

SECTION – A

1 आग्निकर्म के महत्व, प्रकार, योग्य और अयोग्य का वर्णन कीजिए। 10

Describe importance, types, indication and contra-indication of Agnikarma

2. किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिये. Answer any one question. 10

(A) जलौक एवं जलौक अवचारण प्रक्रिया का सविस्तर वर्णन किजिए।
Give a detail description of Jalauka and Jalauka avacharana procedure.

(B) रक्ता आधान के योग्य, अयोग्य एवं उपद्रवों का वर्णन किजिए।
Describe indication, contraindication & complications of blood transfusion

3. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। Answer any four questions. 20

(A) बंध के योग्य एवं अयोग्य का वर्णन किजिए।
Describe Indication and contraindication of Bhandha

(B) यंत्र और शास्त्र में अंतर स्पष्ट करें।
Explain difference between Yantra and Sastra

(C) रक्तम जीव इति स्मृतम
Explain the stanza in detail. पद को विस्तार से समझाइये।

(D) क्षार की परिभाषा लिखिए और क्षार बनाने की विधि लिखिए।
Define Kshara and write the method of preparation of Kshara.

(E) शस्त्र संपत का वर्णन करें एवं नाड़ी यंत्रो के उपयोग लिखिए।
Explain Sastra Sampat and write uses of Nadiyantras.

4. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (दो से तीन वाक्य)
Answer any five questions. (two to three sentences) 10

(A) हाइपोकलेमिया।
Hypokalemia

(B) रक्तस्राव के प्रकार और लक्षण।
Types and clinical features of haemorrhage

(C) सुश्रुताचार्य के अनुसार शल्यचिकित्सक के गुण लिखिए।
Good qualities of surgeon according to Acharya Sushrut.

(D) x-ray का उपयोग।
Use of x-ray

(E) शस्त्रो की पायनाविधि।
Payana vidhi for Shastras

(F) योग्यविधि।
Yogyavidhi

P.T.O.

SECTION – B

5. व्रण की परिभाषा एवं अल्सर के परीक्षण के बारे में विस्तार से लिखिए। 10

Define Vrana and write in detail about Ulcer examination.

6. किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिये. Answer any one question. 10

(A) व्रण शोफ की परिभाषा और प्रकार लिखकर अवस्थानुसार चिकित्सा का वर्णन किजिए।
Define Vranasopha , write its types and describe its management according to its stages.

(B) शॉक का विस्तार से वर्णन किजिए।
Describe Shock in detail

7. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। Answer any four questions. 20

(A) अपचि का निदान, लक्षण और चिकित्सा का वर्णन किजिए। ।
Describe nidana, lakshana and chikithsa of Apachi

(B) एड्स रोगी में शल्य चिकित्सा प्रबंधन का वर्णन किजिए।
Describe management of surgical patient with AIDS

(C) मेदः समुत्थे तिलकल्कदिग्धं दूत्वोपरिष्टाद्विगुणं पटान्तम् । हुताशतप्तेन मुहुः प्रमृज्याल्लोहेन धीमानदहन हिताय
Explain the stanza in detail. श्लोक को विस्तार से समझाइये।

(D) डीवीटी की परिभाषा लिखिए। उसके निदान और प्रबंधन का वर्णन किजिए ।
Define DVT. Describe its diagnosis and management.

(E) दग्ध व्रण की चिकित्सा का वर्णन कीजिए।
Describe management of Dagdha Vrana

8. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (दो से तीन वाक्य) 10

Answer any five questions. (two to three sentences)

(A) चिप्प
Chippa

(B) सद्यव्रण का वर्गीकरण
Classification of Sadyovrana

(C) कदर
Kadara

(D) कार्बनकल की चिकित्सा
Treatment of Carbuncle

(E) गैंगलियोंन
Ganglion

(F) एनीयूरिज़म।
Aneurysm

****

आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, जामनगर

AYURVEDACHARYA(B.A.M.S.)- EXAMINATION

FOURTH PROFESSIONAL EXAMINATION - October – 2025 **(OLD SYLLABUS)**

Shalya Tantra - II

Date : 11/11/2025 | Time : 10:00 A.M. - 01:00 P.M.

Tuesday | Marks : 100

Instructions : सभी प्रश्नों के उत्तर देना आवश्यक है All the questions are compulsory.

SECTION – A

1 संधिमोक्ष का विस्तृत वर्णन किजिए एवं अंश संधिमोक्ष की चिकित्सा का वर्णन किजिए। 10

Describe in detail Sandhimoksha. Describe in detail the management of shoulder joint dislocation.

2. किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिये. Answer any one question. 10

(A) पॉट्स रोग के निदान, लक्षण, परीक्षण, विभेदक निदान और चिकित्सा का वर्णन किजिए।
Describe etiopathogenesis, clinical features, investigation, differential diagnosis and management of Pott's disease

(B) गुल्म के निदान, प्रकार, लक्षण, उपद्रव और चिकित्सा का वर्णन किजिए।।
Describe Nidana,prakara,lakshna,upadrava and chikitsa of Gulma.

3. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। Answer any four questions. 20

(A) भग्न संधान की अवस्थाओ का वर्णन किजिए।
Describe stages of Fracture healing.

(B) पेप्टिक अल्सर के निदान और चिकित्सा का वर्णन किजिए।
Describe etiopathogenesis and management of Peptic ulcer.

(C) मृत्पिण्डं धारयेत् पूर्व लवणं च ततः परम्। हस्ते जातबले चापि कुर्यात् पाषाणधारणम्।
Explain the stanza in detail. श्लोक को विस्तार से समझाइये।

(D) एंकायलोसिंग स्पॉन्डिलाइटिस पर टिप्पणी लिखिए।
Short note on Ankylosing spondylitis

(E) टीएनएम वर्गीकरण का वर्णन किजिए।
Describe TNM classification.

4. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (दो से तीन वाक्य)
Answer any five questions. (two to three sentences) 10

(A) वॉल्वुलस।
Volvulus

(B) स्मिथ्स फ्रैक्चर।
Smith's fracture

(C) गुदभ्रन्श की अवस्थाए।
Grades of rectal prolapse

(D) जलोदर।
Jalodara

(E) कार्पल टनल सिंड्रोम।
Carpal tunnel syndrome

(F) गुडसालस रूल।
Goodsall rule

SECTION – B

5. कोलेसिस्टाइटिस की परिभाषा लिखिए तथा उसके लक्षण, उपद्रव और चिकित्सा का वर्णन किजिए। 10
Define Cholecystitis and describe its clinical features, complications and management.

6. किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिये. Answer any one question. 10

(A) हर्निया की परिभाषा लिखिए एवं उसके वर्गीकरण, चिकित्सा और उपद्रवों का वर्णन कीजिए।
Define Hernia and describe its classification, management and complications.

(B) मूत्रस्मरी (Urolithiasis) के निदान, प्रकार, लक्षण और चिकित्सा का वर्णन कीजिए।
Describe nidana, prakara, lakshana, chikitsa of Mootrasmari (Urolithiasis).

7. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। Answer any four questions. 20

(A) बीपीएच (सौम्य प्रोस्टेटिक हाइपरप्लासिया) का विवरण किजिए।
Describe BPH

(B) पोर्टल हायपर टेन्सन का वर्णन किजिए।
Describe Portal hypertension

(C) मूत्रं हारिद्रमथवा सरक्तं रक्तमेव वा। कृच्छ्रात् प्रवर्तते जन्तोरुष्णवातं वदन्ति तम्
Explain the stanza in detail. श्लोक को विस्तार से समझाइये।

(D) मूत्रकृच्छ्र के लक्षण और चिकित्सा का वर्णन कीजिए।
Describe clinical features of Mutrakrichra and write its management.

(E) फाइमोसिस के लक्षण और चिकित्सा का वर्णन कीजिए।
Describe clinical features and management of Phimosis.

8. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (दो से तीन वाक्य)
Answer any five questions. (two to three sentences) 10

(A) सूडोपेन्क्रियाटीक सिस्ट
Pseudopancreatic cyst

(B) हाइड्रोसील का निदान एवं चिकित्सा
Diagnosis and management of Hydrocele

(C) परिवर्तिका की चिकित्सा
Management of Parivartika.

(D) एपिडिडायमल सिस्ट
Epididymal cyst

(E) मूत्रमार्ग संकुचन
Urethral Stricture

(F) अपेंडिसाइटिस के लक्षण
Clinical features of appendicitis

****

आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, जामनगर

AYURVEDACHARYA(B.A.M.S.)- EXAMINATION

FOURTH PROFESSIONAL EXAMINATION - October – 2025 **(OLD SYLLABUS)**

Shalakya Tantra - I

Date : 13/11/2025 Time : 10:00 A.M. - 01:00 P.M.

Thursday Marks : 100

सूचना : सभी प्रश्न अनिवार्य है । **Instructions : All the questions are compulsory.**

SECTION – A

1 आयुर्वेद मतानुसार नेत्र रचना शारीर एवं क्रिया शारीर का सविस्तार वर्णन कीजिये। 10

Describe the Netra Rachana Sharira and Kriya Sharira in detail according to Ayurveda.

2. . किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिये. Answer any one question 10

(A) पूयालस (Dacryocystitis) रोग का आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान अनुसार चिकित्सा सहित विस्तार से वर्णन कीजिए।
Describe the disease Puyalasa (Dacryocystitis) in detail according to Ayurveda and Modern science along with its treatment.

(B) नेत्र क्रियाकल्प के नाम लिखिए और अंजन कर्म का विस्तार से वर्णन कीजिए।
Write the names of Netra Kriyakalpa and describe Anjan Karma in detail.

3. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। Answer any four questions. 20

(A) रेटीनोस्कोपी पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
Write a short note on Retinoscopy.

(B) नेत्र रोगों में रक्त मोक्षण के बारे में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
Write a short note on Rakta Mokshana in Netra Roga.

(C) असृगास्रावरहितंकण्डूशोफविवर्जितम्|
समंनखनिभं..................सम्यगिष्यते|| छंद को पूर्ण करे एवं विस्तार से समझाइये।
असृगास्रावरहितंकण्डूशोफविवर्जितम्|
समंनखनिभं.................सम्यगिष्यते|| Complete & Explain the stanza in detail.

(D) पर्वणी एवं अलजी रोग के बिच का अंतर लिखिए।
Write the difference between Parvani and Alaji in detail.

(E) 'External Hordeolum' के लक्षण एवं उपचार का विस्तार से वर्णन कीजिए।
Describe the symptoms and treatment of 'External Hordeolum' in detail.

4. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (दो से तीन वाक्य)
Answer any five questions.(two to three sentences) 10

(A) आश्च्योतन के प्रकार लिखिए।
Write the types of Ashchyotana.

(B) शुक्तिका का प्रमुख लक्षण लिखिए।
Write the cardinal symptom of Shuktika.

(C) बाह्य नेत्रपेशियों के नाम लिखिए।
Write the name of extra ocular muscles.

(D) रेटिना की परतों के नाम लिखिए।
Write the names of layers of retina.

(E) ऑप्टिक डिस्क के बारे में लिखिए।
Write about the optic disc.

(F) सुश्रुत अनुसार क्रिमिग्रन्थी की चिकित्सा लिखिए।
Write the treatment of Krimigranthi according to Sushrut.

P.T.O.

SECTION – B

5. आयुर्वेद एवं आधुनिक मतानुसार सव्रण शुक्र (Corneal Ulcer) के नैदानिक कारण, भेद, संप्राप्ति, एवं चिकित्सा का सविस्तार वर्णन कीजिये। 10

Explain the etiology, classification, Patho-physiology, and treatment of Savrana Sukra (Corneal Ulcer) according to Ayurveda and modern science.

6. किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिये. Answer any one question. 10

(A) 'अभिष्यंद' रोग का उसके उपद्रव सहित विस्तार से वर्णन कीजिए।
Describe the disease 'Abhishyand' along with its Updrava.

(B) 'Refractive errors ' के बारे में विस्तार से लिखिए।
Explain in detail about 'Refractive errors'

7. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। Answer any four questions. 20

(A) कफ़ज लिंगनाश शल्यकर्म का वर्णन कीजिए।
Write the Shalya karma of Kaphaja Lingnasha.

(B) रेटिनाइटिस पिगमेंटोसा के लक्षण लिखिए।
Write the signs and symptoms of Retinitis pigmentosa.

(C) अजापुरीषप्रतिमोरुजावान्सलोहितो...................।
विदार्यकृष्णंप्रचयोऽभ्युपैति...................व्यवस्येत् ।। छंद को पूर्ण करे एवं विस्तार से समझाइये।
अजापुरीषप्रतिमोरुजावान्सलोहितो...................।
विदार्यकृष्णंप्रचयोऽभ्युपैति................व्यवस्येत्।। Complete & Explain the stanza in detail.

(D) गम्भीरका के लक्षण और चिकित्सा लिखिए।
Write the symptoms and treatment of Gambhirka.

(E) सुश्रुत के अनुसार सिरोत्पात और सिराहर्ष रोग का वर्णन कीजिए।
Describe the disease Sirotpat and Siraharsh according to Sushruta.

8. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (दो से तीन वाक्य)
Answer any five questions.(two to three sentences) 10

(A) एल्स रोग क्या है ?
What is Eale's Disease?

(B) अर्जुनरोग की चिकित्सा लिखिए।
Write the treatment of Arjuna disease.

(C) साइक्लोप्लेजिक ड्रग्स क्या है और इसके उपयोग क्या हैं?
What is cycloplegic drugs and what are their uses?

(D) किन्ही दो कुपोषणजन्य नेत्र रोगों के नाम लिखिए।
Write names of any two eye dieses due to malnutrition.

(E) नेत्ररोगों की सामान्य संप्राप्ति लिखिए।
Write the Samanya Samprapti of Netra Rogas.

(F) एम्ब्लियोपिया क्या है?
What is Amblyopia?

****

आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, जामनगर

AYURVEDACHARYA(B.A.M.S.)- EXAMINATION

FOURTH PROFESSIONAL EXAMINATION - October – 2025 **(OLD SYLLABUS)**

Shalakya Tantra - II

Date : 15/11/2025
Saturday

Time : 10:00 A.M. - 01:00 P.M.
Marks : 100

सूचना : सभी प्रश्न अनिवार्य है। **Instructions : All the questions are compulsory.**

SECTION - A

1 कर्ण के रचना शारीर और क्रिया शारीर का आधुनिक विज्ञान अनुसार विस्तार से वर्णन कीजिए। 10

Describe the Anatomy and Physiology of ear in detail according to modern science.

2. किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिये. Answer any one question. 10

(A) 'प्रतिश्याय' रोग के बारे में विस्तार से लिखिए।
Write in detail about the disease 'Pratishyay'.

(B) सुश्रुत के अनुसार शिरारोग के नाम लिखिए तथा सूर्यावर्त का विस्तार से वर्णन कीजिए।
Write the names of Shiraroga according to Sushruta and describe Suryavarta in detail.

3. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। Answer any four questions. 20

(A) 'शिर' को परिभाषित करें और सिर का महत्व लिखिए।
Define 'Shira' and explain the importance of the head.

(B) सुश्रुत के अनुसार कर्णनाद और कर्णक्ष्वेड में अंतर लिखिए।
Write the difference between Karnanada and Karnakshweda according to Sushruta.

(C) .... समन्ततः शूलमतीव कर्णयोः ।
करोति दोषैश्च यथास्वमावृतः स .... कथितो दुराचरः ।। छंद को पूर्ण करे एवं विस्तार से समझाइये।
.... समन्ततः शूलमतीव कर्णयोः ।
करोति दोषैश्च यथास्वमावृतः स .... कथितो दुराचरः ।। Complete & Explain the stanza in detail.

(D) 'Anterior Rhinoscopy' की परीक्षा विधि का वर्णन किजिए।
Describe the 'Anterior Rhinoscopy' examination of Nose

(E) अनन्तवात रोग का वर्णन किजिए।
Explain the disease Anantvaat.

4. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (दो से तीन वाक्य) 10
Answer any five questions.(two to three sentences)

(A) एट्रोफिक राइनिट्स रोग के लक्षण लिखिए।
Write the symptoms of the disease atrophic Rhinits.

(B) गण्डूष और कवल की परिभाषा लिखिए।
Define 'Gandusha' and 'Kavala'

(C) सुश्रुत अनुसार 'Nasanah' के लक्षण लिखिए।
Write the symptoms of Nasanah according to Sushrut.

(D) सुश्रुत अनुसार शंखक के लक्षण लिखिए।
Write the symptoms of Shankhaka according Sushrut.

(E) Kiesselbach's plexus क्या है?
What is Kiesselbach's plexus?

(F) सुश्रुत के अनुसार कर्णरोग की सामान्य चिकित्सा लिखिए।
Write the common treatment of Karnaroga as per Sushruta.

SECTION – B

5. तालु की परिभाषा लिखिए और गलशुंडिका रोग के कारण, लक्षण एवं चिकित्सा का विस्तार से वर्णन कीजिए। 10
Write the definition of Talu and describe the causes, symptoms and treatment of Galashundika diseases in detail.

6. किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिये. Answer any one question. 10

(A) मुख की परिभाषा लिखिए और मुखरोग के सामान्य कारण एवं सामान्य चिकित्सा का विस्तार से वर्णन कीजिए।
Write the definition of Mukha and describe the general causative factors and treatment of Mukharoga.

(B) क्रिमिदंत का कारण, लक्षण एवं चिकित्सा सहित विस्तार से वर्णन कीजिए।
Describe in detail Krimidanta along with its causative factors, clinical features and treatment.

7. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। Answer any four questions. 20

(A) आधुनिक दृष्टिकोण के अनुसार लेरिंजाइटिस रोग के बारे में लिखिए।
Write about the disease Laryngitis according to modern view.

(B) दंत-परीक्षा के बारे में एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
Write a short note about Danta-Pariksha. (teeth examination)

(C) .... सहन्ते स्पर्शनं न च ।
यस्य तं दन्तहर्ष तु व्याधि विधात् समीरणात् ।। छंद को पूर्ण करे एवं विस्तार से समझाइये।
.... वा भावान् कटूनर्कनिरीक्षणाद्वा |
सूत्रादिभिर्वा तरुणास्थिमर्मण्युद्घाटितेऽन्यः ....र्निरेति|| Complete & Explain the stanza in detail.

(D) आधुनिक दृष्टिकोण के अनुसार एपिकल एब्सेस रोग का वर्णन कीजिये।
Describe the disease Apical Abscess according to the modern view.

(E) 'औष्ट संधान' की विधि के बारे में लिखिए।
Write about the procedure for 'Aushta Sandhan'.

8. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (दो से तीन वाक्य) 10
Answer any five questions.(two to three sentences)

(A) गिलायु के लक्षण क्या हैं?
What are the symptoms of Gilayu?

(B) लार ग्रंथियों के नाम लिखिए।
Write the names of Salivary glands.

(C) वोकल कार्ड का स्थान और संख्या लिखें।
Write the location and number of vocal cords.

(D) दाँत की संरचनात्मक परतों के नाम लिखिए।
Write the names of anatomical layers of the tooth.

(E) हनुमोक्ष क्या है?
What is Hanumoksha?

(F) सुश्रुत के अनुसार जिह्वागत असाध्य रोगों के नाम लिखिए।
Write names of Ashadhya Jihvaroga according to Sushrut.

******